प्रस्फुटन समितियों एवं सी.एम.सी.एल.डी.पी. छात्रों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों की झलकियाँ

नदी एवं जल संरक्षण : तालाब गहरीकरण

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति उसरा, जिला धार तथा सी.एम.सी.एल.डी.पी. छात्रों द्वारा जनसहभागिता से 3 लाख रु. की राशि की व्यवस्था कर ग्राम उसरा में स्थित तालाब से 990 ट्राली गाद निकालकर तालाब गहरीकरण का कार्य किया गया।

ग्राम उसरा में गहरीकरण के पूर्व तालाब की स्थिति

जनभागीदारी से पोकलेन मशीन की व्यवस्था एवं गहरीकरण

ग्राम उसरा में गहरीकरण के पश्चात् तालाब की स्थिति

नदी एवं जल संरक्षण : तालाब निर्माण

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बरखेड़ा लोया जिला मंदसौर में जन सहभागिता से तालाब का निर्माण कराया गया। तालाब निर्माण के फलस्वरूप ग्राम की लगभग 300 बीघा भूमि सिंचित हुई। तालाब निर्माण की लागत लगभग 50 लाख रु. आंकी गई है।

तालाब निर्माण के पूर्व की स्थिति

निर्मित तालाब

निर्मित तालाब में जल संग्रहण

नदी एवं जल संरक्षण : तालाब निर्माण

उज्जैन जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर बडनगर तहसील की ग्राम पंचायत के अंतर्गत चयनित प्रस्फुटन ग्राम नागझिरी के श्री गोपाल डोडिया ने अपने बलबूते पर 6 तालाब बना दिये। श्री गोपाल डोडिया केवल सातवीं कक्षा तक पढ़े लिखे हैं। वह कोई डिग्री धारी नहीं यह उनके ग्राम के इंजीनियर माने जाते हैं। अपने परिश्रम और संसाधनों से इन्होंने 06 विशाल तालाबों की श्रृखंला तैयार कर दी, जिनमें बारिश में भी भरपूर पानी आता है।

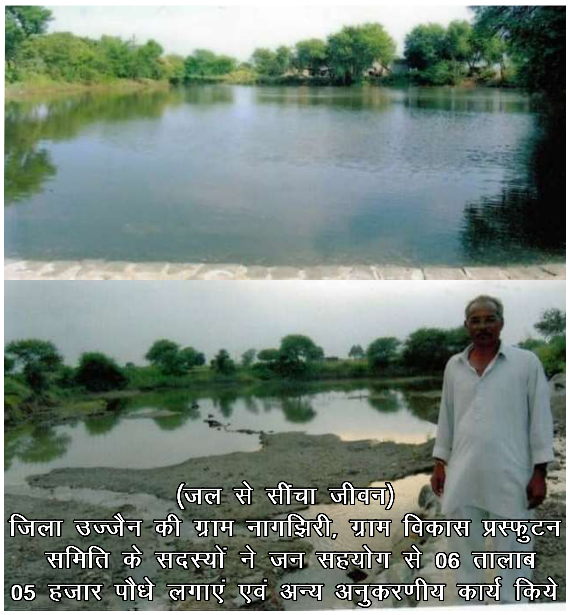

(जल से सींचा जीवन)
जिला उज्जैन की ग्राम नागझिरी, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्यों ने जन सहयोग से 06 तालाब 05 हजार पौधे लगाएं एवं अन्य अनुकरणीय कार्य किये

ऊर्जा संरक्षण : बायोगैस संयंत्र का निर्माण एवं उपयोग

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बंडा जिला कटनी द्वारा एमपी एग्रो से 10 दिवसीय बायोगैस निर्माण संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त कर ग्राम में जनसहयोग से 11 बायोगैस संयंत्रों का निर्माण किया गया ।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, बंडा जिला कटनी द्वारा निर्मित बायोगैस संयंत्र

बायोगैस संयंत्र का प्रचालन करते ग्रामवासी

बायोगैस से भोजन निर्मित करती महिला

सी.एम.सी.एल.डी.पी. छात्रा ने अपने गांव में सफल बनाया स्कूल चलें हम अभियान

छात्रा : कु. भवानी मुजाल्दे

ग्राम : बवाड़िया विकासखंड ठीकरी जिला–बडवानी

कार्य : छात्रा कु. भवानी मुजाल्दे पिता मांगीलाल मुजाल्दे द्वारा स्कूल चले अभियान में सार्थक प्रयास करते हुए शाला त्यागी एवं अप्रवेशित बच्चों को स्कूल में प्रवेश दिलाया एवं बच्चों के घर–घर जाकर स्कूल भेजने में परिवार वालों को बच्चों को तैयार करने में सहयोग करती थी। इस प्रकार के प्रयासों से अपने ग्राम बावड़िया में समस्त पात्र बच्चों को स्कूल भेजकर स्कूल चलें हम अभियान को सफल बनाया ।